राजस्थान सामान्य ज्ञान

चित्रकला शैली

कला व संस्कृति

हस्तलिखित नोटस

BY AADARSH KUMAWAT

Rajasthan GK

5000 प्रश्न

टेस्ट देकर पढें और तैयारी को नई दिशा दें

टॉप 1000 प्रश्न

ई - बुक सामान्य ज्ञान

डाउनलोड करलो

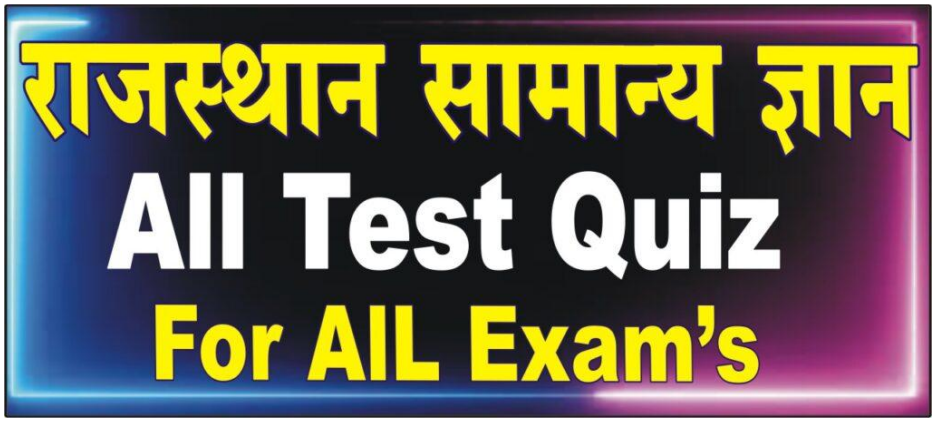

राजस्थान सामान्य ज्ञान
All Test Quiz
For AlL Exam's

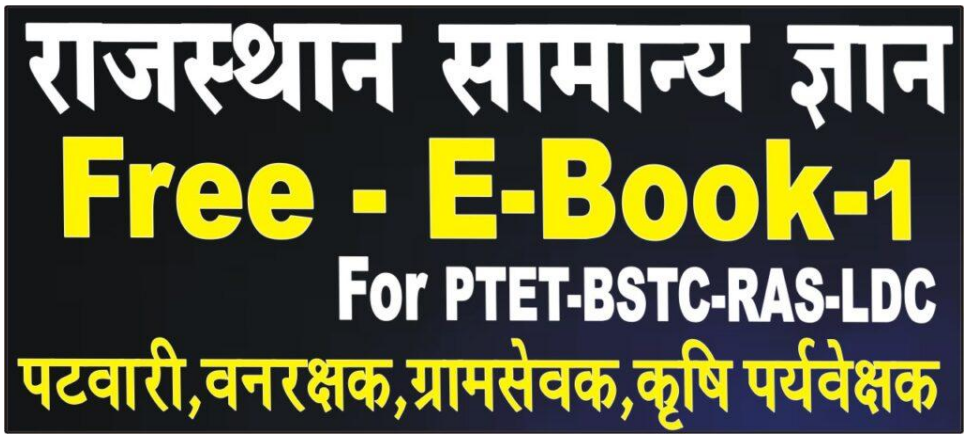

राजस्थान सामान्य ज्ञान
Free - E-Book-1
For PTET-BSTC-RAS-LDC
पटवारी,वनरक्षक,ग्रामसेवक,कृषि पर्यवेक्षक

सम्पूर्ण नोट्स PDF
विषयवार ई–बुक
सभी PDF यहां से डाउनलोड करें

सामान्य विज्ञान
500 - Questions
PDF डाउनलोड

राजस्थान की प्रमुख चित्रकला शैलियाँ

- राजस्थान के सर्वाधिक प्राचीन उपलब्ध चित्रित ग्रंथ जैसलमेर भण्डार में 1060 ई के "ओघ निर्युक्ति वृति एवं दस वैकालिक सूत्र चूर्णि मिले है।

- भित्ती (दीवार) पर सौन्दर्य व सृजनता से किया हुआ नानारूपी अलकरण भित्तिचित्रण कहलाता है।

- भित्ती शिल्पियों को चेजारे कहा जाता था ये मुख्यतः कुम्हार जाति के होते है

- शेखावाटी के भित्ती चित्रों में लोकजीवन की झांकी सर्वाधिक देखने को मिलती है।
- भित्ति चित्रांकन कोटा-बूंदी क्षेत्र में विकसित रहा। चित्रकार- बालूराम चेजारा, जयदेव, तनसुख आदि प्रसिद्ध है।
- बीकानेर के महाराजा अनूपसिंह - लाहौर से मुगल शैली के उस्ता चित्रकारो को बीकानेर लाए थे। बीकानेर में चित्रकार उस्ताद कहलाएं, यहां मथेरण जाति के लोग भी इस कला में सिद्धहस्त थे।

- राजस्थान में चित्रकला की शुरुआत- राणा कुंभा के शासन काल में
- राजस्थान की चित्रकला पर आनन्द कुमार स्वामी ने राजपूत पेंटिंग नामक पुस्तक में प्रथम बार प्रकाश डाला
- आधुनिक चित्रकला की शुरुआत करने का श्रेय कुन्दनलाल मिस्त्री को जाता है।

राजस्थान की लघुचित्र शैलियाँ

(A) मेवाड़ शैली (मेवाड़ स्कूल) (उदयपुर शैली)

- स्वर्णकाल - महाराणा जगतसिंह प्रथम
- प्रमुख कलाकार = साहिबदीन, मनोहर, कृपाराम, उमरा
- प्रधान विषय लघु चित्रण = रागमाला, रसिक प्रिया, गीतगोविंद
- प्रमुख चित्र = सुपासनाह चरियम, रामायण, शूकर महात्म्य
- प्रमुख रंग = लाल व पीला रंग प्रधान।
- पुरुषाकृति एवं वेशभूषा ⇒ गठीला शरीर, लम्बी मूंछे, छोटा कद, सिर पर पगड़ी, कमर में पटका, कानों में मोती, घेरदार जामा
- नारीआकृति = सरल, ओज चेहरा, मीनाकृत आंखें, लम्बीनाक भरी हुई दोहरी चिबुक, चिबुक पर तिल, लहंगा, ओढ़नी
- → मेवाड़ी चित्रकला का शुरुआती उदाहरण रागमाला से प्रसिद्ध
- → कलीला - दमना (इस चित्र शैली के दो पात्र है)
- → जगतसिंह प्रथम ने राजमहल में "चितेरों की ओवरी" (तस्वीरां रो कारखानो) के नाम से विद्यालय खोला।
- → राजस्थान की मूल व सबसे प्राचीन शैली है।

⇒ नाथद्वारा उपशैली (राजसमंद) = वल्लभ शैली
- महाराणा राजसिंह के समय उद्भव व विकास
- → प्रमुख कलाकार = नारायण, चतुर्भुज, घासीराम, उदयराम
- → कृष्ण चरित्र एवं श्रीनाथ जी के विग्रह के चित्र प्रमुखतः
- → हरे व पीले रंग का अधिक प्रयोग।
- प्रमुख विशेषता = पिछवाई व भित्ति चित्रण
- - थीम - केला, गायों का मनोरम अंकन, देवताओं का अंकन

⇒ चावण्ड उप शैली ⇒ अमरसिंह प्रथम का स्वर्णकाल
प्रसिद्ध चितेरे नासीरुद्दीन ने "रागमाला" का चित्रण किया।

⇒ देवगढ़ शैली = मारवाड़, जयपुर, मेवाड़ की समन्वित शैली
सर्वप्रथम डॉ. श्री धर अंधारे ने शैली को प्रकाशमान किया।

(B) मारवाड़ शैली (स्कूल)

→ जोधपुर शैली : जोधपुर शैली का स्वर्णकाल राजा - मालदेव के काल में रहा।
→ प्रमुख राजा : महाराजा जसवंत सिंह एवं महाराजा मानसिंह
→ प्रमुख चितेरे = नारायण दास, अमरदास, किशनदास, शिवदास नाथा, रामा, छज्जू, शेफू, रतन भाटी
→ प्रमुख चित्रित ग्रंथ = ढोला मारु, बिलावल रागिनी चित्र, सूरसागर, रसिकप्रिया पर आधारित नाथ-चरित्र, कामसूत्र पंचतंत्र, वेलि किसन रुकमणि री,
→ सबसे प्रसिद्ध चित्र "रागमाला - 1623 ई. में वीरजी द्वारा चित्रित यह शैली नाथद्वारा से सम्बंधित है।
→ प्रमुख रंग = पीला, आम के वृक्ष, ऊंट, घोड़े व कुत्ते की प्रमुखता

॥ बीकानेर शैली ॥ (मारवाड़ की उपशैली)

→ स्वर्णकाल = अनूपसिंह का शासन काल
→ प्रमुख कलाकार = रुकनुद्दीन, अलीरजा, आलीरखां, मुन्नालाल
→ प्रमुख चित्रित ग्रंथ - रसिकप्रिया, बारहमासा, रागरागिनी
→ महाराजा रायसिंह समय चित्रित भागवत पुराण प्रारम्भिक माना जाता है
→ प्रधान रंग - पीला, मथेरण व उस्ताद कलाकारों का योगदान
→ आम, ऊंट व घोड़े के चित्र की प्रमुखता।

→ किशनगढ़ शैली = (कांगड़ा शैली) नारी सौन्दर्य पर आधारित
→ स्वर्णकाल सांवतसिंह / नागरीदास का रहा (वल्लभीय सम्प्रदाय)
राधा के रूप में बणी ठणी का चित्र . . . निहालचन्द चित्रकार ने बनवाया
→ प्रकाश में लाने का श्रेय एरिक डिक्सन या फैयाज अली को जाता।
→ प्रमुख कलाकार = सूरध्वज, मोरध्वज, नागरीदास, अमीरलाल, रामदास
→ प्रमुख ग्रंथ - बणी ठणी ( ) चांदनी रात की संगीत गोष्ठी
→ 05 मई 1973 को बणी-ठणी पर डाक टिकिट जारी। (अमरचन्द द्वारा)
→ कांगड़ा शैली व ब्रज साहित्य से प्रभावित शैली
→ डिक्सन ने बणी ठणी को भारत की मोनालिसा कहा।

अजमेर शैली - अगले पेज पर (2)

(C) ढूंढाड़ शैली (स्कूल)

⇒ जयपुर शैली = प्रमुख राजा = सवाई प्रतापसिंह का स्वर्णकाल
- प्रमुख चित्रकार = मुहम्मदशाह, साहिबराम, सालिगराम, रघुनाथ
- प्रमुख चित्र = आदमकद चित्र, शिकार एवं युद्ध प्रसंग
कृष्णलीला, रागमाला, महाभारत, रामायण, जयदेव का गीतगोविंद
वात्सायन द्वारा कृत - कामसूत्र पर आधारित शैली।
प्रमुख रंग - केसरिया पीला, हरा व लाल रंग प्रधान
प्रमुखता - पीपल, बड़, घोड़ा, मोर, नीले बादलों का अंकन
- साहिबराम ने ईश्वरी सिंह का प्रथम आदमकद चित्र बनाया।
- मुगल शैली का सर्वाधिक प्रभाव, लैलामजनू व हाथी घोड़े के चित्र।

⇒ अलवर शैली = महाराजा विनयसिंह काल स्वर्णकाल।
प्रमुख चित्रकार = डालचंद, नानगराम, बलदेव, गुलामअली, बुद्धाराम
चित्र - महात्मा शेखसादी, दुर्गासप्तशती, चंडी पाठ, प्रमुख विषय
रंग = हरे व नीले व सोने के रंग का अधिक प्रयोग।
- ईरानी, मुगल व जयपुर शैली की समन्वित शैली
- मूलचन्द हाथी दांत पर चित्र बनाने में प्रवीण
- इसमें वन, कुंजविहार, अश्लील नृत्यांगना, वेश्याओं के चित्र मिले।

- आमेर शैली = मानसिंह एवं मिर्जा राजा जयसिंह प्रमुख राजा
- प्रमुख चित्र = आदिपुराण, रज्मनामा, बिहारी सतसई पर आधारित भी
- प्रमुख रंग = प्राकृतिक रंग जैसे हिरमच, गेरू, कालूस, पेवड़ी
- आमेर शैली पर मुगलों का अधिक प्रभाव पड़ा
- भित्ति चित्रों के रूप में समृद्ध परम्परा उपलब्ध।

→ उणियारा शैली = जयपुर व बून्दी रियासतों की सीमा पर बसा उणियारा के नरूका ठिकाने ने रक्त सम्बन्धों के कारण बून्दी की कलात्मक प्रभाव को अपनाकर उणियारा शैली के नाम से जाना जाता है।
प्रमुख चित्रकार = धीमा, मीरबख्श, काशीराम, बख्ता आदि
कवि केशव की कविप्रिया पर आधारित चित्र बारहमासा प्रमुख

- **Rajasthan Gk PDF- क्लिक करे**
- **Hindi Test Quiz – क्लिक करे**
- **HINDI NOTES - क्लिक करे**
- **RAJASTHAN GK NOTES - क्लिक करे**

- **INDIA GK TOP QUIZ– क्लिक करें**
- **RAJASTHAN GK QUIZ – क्लिक करे**
- **GENERAL SCIENCE– क्लिक करें**
- **HINDI SAMAS VIDEO– क्लिक करे**

(D) हाड़ौती शैली (स्कूल)

⇒ कोटा शैली ⇒ महाराव रामसिंह, महारावल भीमसिंह प्रथम, महाराव शत्रुसाल
सर्वाधिक चित्रण महाराव उम्मेदसिंह प्रथम के समय हुआ।
→ प्रमुख चित्रकार - रघुनाथ, गोविन्दराम, डालू, लच्छीराम, नूरमोहम्मद
→ चित्रित ग्रन्थ ⇒ शिकार, हाथियों की लड़ाई, दरबारी दृश्य
बारहमासा, रागरागिनियां - (स्वर्णकाल शासक - महाराव रामसिंह)
1768 में डालू नाम के चित्रकार द्वारा चित्रित रागमाला सैट
कोटा कलम का सर्वाधिक बड़ा रागमाला सैट है। (गुमानसिंह)
प्रमुख रंग = हल्के हरे, पीले एवं नीले रंग का प्रयोग
→ कोटा शैली में रानियों को भी शिकार करते दिखाया गया।
- चम्पा, सिंह, मोर, उमड़ते घुमड़ते घने बादल प्रमुखतः चित्रित
- भित्ति चित्र में झाला हवेली विशेष दर्शनीय।

⇒ बून्दी शैली। (पशु-पक्षियों की शैली)
स्वर्ण काल राव सुर्जनसिंह हाडा के शासनकाल को माना जाता है
→ प्रमुख चित्रकार - रामलाल व सुर्जन प्रमुख चित्रकार
→ प्रमुख चित्रित ग्रन्थ ⇒ रागरागिनी, नायिका-भेद, ऋतु वर्णन
→ प्रधान रंग = हरा, सुवर्ण रेखाओं से सीमित चित्र
→ ईरानी, दक्षिणी, मराठा, मेवाड़ शैली से प्रभावित
→ मयूर, हाथी, हिरण का चित्र अधिक, सरोवर, केले, खजूर वृक्ष।
- भित्ति चित्रों की बहुलता के कारण भित्ति चित्रों का स्वर्ग = बून्दी
- महाराव उम्मेद सिंह शासन काल में निर्मित चित्रशाला संग्रहालय

⇒ राजस्थान के प्रमुख आधुनिक चित्रकार ⇐

1. श्री रामगोपाल विजयवर्गीय = "अभिसार निशा" प्रमुख रचना (सवाई माधोपुर)
2. स्व. श्री भूरसिंह शेखावत : धोंधलिया (बीकानेर) राष्ट्रभक्त, देशभक्तों का चित्रण
3. स्व. श्री गोवर्धन लाल (बाबा) = कांकरोली (राजसमंद) भीलों के चितेरे के रूप में
प्रमुख चित्र = बरात
4. श्री कृपाल सिंह शेखावत (मऊ-सीकर), ब्लू पॉटरी के पर्याय, कृपाल शैली का ईजाद किया, 1980 कलाविद् सम्मान व 1974 में पद्मश्री से सम्मानित।

मारवाड़ स्कूल - जोधपुर, बीकानेर, किशनगढ़ एवं

⇒ अजमेर शैली -
प्रमुख चित्रकार = चांद, तैयब, नवला, रायसिंह, लालजी, नारायण
एक महिला चित्रकार साहिबा।
प्रमुख रंग = लाल, पीले, हरे व नीला रंग व बैंगनी रंग

⇒ नागौर शैली - विकास 18वी शताब्दी के प्रारम्भ से माना जाता
= नागौर किले के महलो के भित्ति चित्रों में विशेष दृष्टव्य है।
व पारदर्शी वेशभूषा नागौर शैली की प्रमुख विशेषता।

⇒ जैसलमेर शैली -
इस शैली का मुख्य संरक्षक मूलराज द्वितीय रहा।
प्रमुख विषय - 'राजकुमारी मूमल' इस शैली का प्रमुख चित्र
= चित्रों में रंगो का बाहुल्य
⇒ किसी भी शैली का प्रभाव इस शैली पर नही आने दिया
⇒ आज भी मरु महोत्सव मे मूमल प्रतियोगिता का आयोजन होता है।

———xxx———xxx———

= राजस्थान के प्रमुख चित्रकार =

① मेवाड़ शैली: हीरानन्द द्वारा चित्रित ग्रंथ सुपासनह महाराणा मोकल के समय
② साहिबदीन द्वारा चित्रित रागमाला, गीत गोविन्द, रसिकप्रिया (जगतसिंह-I)
③ मनोहर व साहिबदीन द्वारा चित्रित (आर्ष रामायण) = (महाराणा जगतसिंह I)
④ साहिबदीन द्वारा शूकर क्षेत्र महात्म्य, अमर गीत सार (महाराणा राजसिंह)
⑤ जगन्नाथ द्वारा चित्रित बिहारी सतसई (महाराणा संग्रामसिंह II)
⑥ कमलचन्द्र द्वारा चित्रित 'श्रावण प्रतिक्रमण चूर्णि' (रावल तेजसिंह)
⑦ मेवाड़ शैली : धनसार द्वारा कल्पसूत्र ग्रन्थ (महाराणा अमरसिंह-I)
⑧ चावंड शैली = निसरदी द्वारा चित्रित रागमाला (महाराणा अमरसिंह-I)
⑨ किशनगढ़ शैली में निहालचंद द्वारा बणीठणी ग्रन्थ (सावन्तसिंह, नागरीदास)
⑩ ——"—— अमरचन्द द्वारा चांदनी रात की संगोष्ठी (सावंतसिंह)
⑪ अलवर शैली : बलदेव व गुलामअली द्वारा रचित गुलिस्तां (विनयसिंह)
⑫ आमेर शैली = पुष्पदत्त द्वारा आदि पुराण ग्रन्थ (महाराजा पृथ्वीराज)

- **Rajasthan Gk PDF- क्लिक करे**
- **Hindi Test Quiz – क्लिक करे**
- **HINDI NOTES - क्लिक करे**
- **RAJASTHAN GK NOTES - क्लिक करे**

- **INDIA GK TOP QUIZ– क्लिक करें**
- **RAJASTHAN GK QUIZ – क्लिक करे**
- **GENERAL SCIENCE– क्लिक करें**
- **HINDI SAMAS VIDEO– क्लिक करे**

GK/GS टॉप 1000 प्रश्न –
Download Now

राजस्थान GK हस्त ल खत नोट्स
DOWNLOAD NOW

भारत सामान्य ज्ञान टेस्ट-शुरू करे

RAJASTHAN GK E-BOOK - DOWNLOAD

RAJASTHAN GK TEST–START NOW